खेलों में सफलता के लिये आत्मविश्वास का होना जरुरी है - ब्र.कु.शशिप्रभा बहन

खिलाडियों, खेल प्रशिक्षकों के लिए आयोजित स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह

रायपुर। शांति सरोवर रायपुर में खिलाड़ियों, खेल प्रशिक्षकों एवं विभिन्न खेल संगठनों के पदाधिकारियों के लिए स्नेह-मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसे सम्बोधित करते हुए खेल प्रभाग की राष्ट्रीा समन्वयक ब्र.कु.शशिप्रभा बहन ने कहा कि खेलों में सफलता प्राप्त करने के लिो आत्मविश्वास का होना बहुत जरूरी है। आत्मविश्वास की कमी होने के कारण हम पदक तालिका में नीचे रह जाते हैं। छोटे-छोटे देशों के खिलाड़ी भी ओलम्पिक खेलों में हमारे देश से ज्यादा पदक प्राप्त कर लेते हैं। इसलिए आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिये राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करना बहुत ही आवश्यक है। एयरफोर्स में बॉक्सिंग चैंपियन रह चुके ब्र.कु.जगवीर सिंह ने बताया कि राजयोग मेडिटेशन के महत्व को जानकर हरिाणा, पश्चिम बंगाल और हाल ही में गोवा की सरकार ने उन्हें खिलाड़ियों को मेडिटेशन सिखलाने के लिये आमंत्रित किाा है। उन्होंने कहा कि हमारे मन में सिर्फ दस प्रतिशत शक्ति होती है किन्तु अन्तर्मन में 90 प्रतिशत शक्ति निहित होती है जिसे राजयोग के माध्यम से जागृत कर खेलों में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के महासचिव बलदेवराज भाटिया ने ब्रह्माकुमारी संस्था के प्राासों की सराहना करते हुये कहा कि खिलाड़ियों में श्रेष्ठता आत्मविश्वास से ही आयेगी। खेल आयुक्त राजकुमार देवांगन ने कहा कि जिन्दगी का प्रत्-ोक लम्हा खेल की तरह है जिसमें हार और जीत होती रहती है। इस समारोह को क्षेत्रीए संचालिका ब्र.कु.कमला ने भी सम्बोधित किया व मंच का कुशल संचालन धमतरी की ब्र.कु.सरिता बहन ने किया।

इंदौर, मुसाखेड़ी। जिला जेल में बंदियों को प्रभु संदेश देते हुए पूर्व लायंस डिस्ट्रीक्ट गवर्नर ब्र.कु.रतन लाल गुप्ता।

दसोड़ा, बड़वाह। 'ग्राम सेवा अभियान' के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.ललिता।

जबलपुर, कटंगा। युवाओं के लिए आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए माउण्ट आबू के ब्र.कु.रूपेश तथा मंचासीन हैं फोटो जर्नलिस्ट लाली कोष्टा, एडवोकेट सिद्धार्थ सेठ, म.प्र.पावर ट्रांसमिशन के इंजीनियर मयंक लालवानी एवं ब्र.कु.विमला।

कन्याओं की आध्यात्मिक जागृति के लिए सरकार भी आध्यात्मिक शिक्षा केन्द्र खोलें

बून्दी (राज.)। कन्या भ्रूण हता रोकने के लिए जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित धर्मगुरुओं एवं जिला प्रशासन, समाज चिंतकों, प्रबुद्धजनों की बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी आरती डोगरा ने कहा कि कन्या को भ्रूण में मारने की बात सुनने से ही घृणा सी होने लगती है। शासन, प्रशासन के माधम से इस पर निांत्रण के प्र-ाास किए जा रहें हैं, लेकिन समाज के गणमान्य लोगों के सहोाग के द्वारा ही बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

ब्र.कु.कमला बहन ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या का प्रश्न केवल महिला अस्तित्व के लिए ही नहीं वरन् समग्र मानव जाति के अस्तित्व के समक्ष चुनौती बनकर उभर रहा है। हमें कन्या के गरिमा व गौरव को समझना पड़ेगा। कन्या भी रत्न है जिसे सहेज कर रखने की जरूरत है। समाज और नारी का नैतिक आधात्मिक सशक्तिकरण किये बिना भ्रूण हता ा अन्य किसी भी समसा को मिटाने का प्रयास हथेली पर चने उगाने जैसा है।

ए.एस.पी. एन.एल.पवन ने नारी को सृजनात्मक शक्ति का सूत्रधार बताते हुए कहा कि नारी से संसार की सुन्दरता है। और उसमें शांति की शक्ति विशेष होती है। उन्होंने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या करना अर्थात् संसार को विनाश के मुंह में धकेलना जैसा कार्य है।

मुस्लिम धर्मगुरू अब्दुल शकुर कादरी ने कहा कि इस्लाम में कना भ्रूण हत्या वर्जित है। पैगम्बर साहब ने इसके विरूद्ध आवाज उठाई थी। ईसाई समाज के फादर एलेक्स सेम ने कहा कि परमेश्वर ने किसी में भेदभाव नहीं किया। सिक्ख समाज के ग्रंथी कृपालसिंह छाबड़ा, संत महावीरानंद सरस्वती ने भी बैठक में कना भ्रूण हता की कड़ी आलोचना की और कहा कि इसके लिए समाज में जागरूकता लाने की आवश्यकता है। बैठक में एस.पी. प्रीति चन्द्रा, ए.डी.एम. देवानन्द माथुर, सी.एम.एच.ओ. डॉ.ओ.पी.वर्मा, एस.डी.एम. ओ. पी. जांगिड़ सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रतलाम। ग्राम पिपलोदा में सात दिवसीय राजयोग शिविर का उद्घाटन करते हुए पंचायत अध्यक्ष श्याम जी पटेल, ब्र.कु.सविता एवं ब्र.कु.संगीता।

रायपुर, छ.ग.। शांति सरोवर में पुलिस विभाग के अधिकारियों को तनाव प्रबंधन का प्रशिक्षण देते हुए ब्र.कु.प्रियंका।

सुवासरा। 'बढ़ते कदम सु-स्वास्थ्य की ओर' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक राधेश्याम पाटीदार तथा मंचासीन हैं ब्र.कु.समीता, ब्र.कु.मंजु एवं ब्र.कु.श्यामा।

इंदौर, ओम शांति भवन। जे.के.ट्रस्ट ग्राम विकास योजना के अंतर्गत म.प्र. के वेटनरी डॉक्टर्स को तनावमुक्त जीवन विषय पर सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.शारदा।

सुवासरा मंडी। सर्व धर्म सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.श्यामा एवं साथ में हैं शंभुराम जी महाराज, रायेतिया मुनि कमलेश जी तथा अन्य सभी धर्मों के प्रतिनिधि।